Harvard University
Urdu 102: Intermediate Urdu-Hindi
Spring Semester, 2007

शोले

Part 14

ठाकुर की हवेली के सामने का दृश्य। ठाकुर की बड़ी बहू (रुक्मणी) छोटी बहू (राधा), पोता (दीपक), लड़की (निर्मला) और दो लड़के दिखाई देते हैं। दीपक अपने चाचा के साथ टीले पर खड़ा है। उस का चाचा बंदूक़ से चिड़िया मारने की कोशिश कर रहा है।

दीपक - लो, फिर नहीं लगी। क्या चाचा तुम तो...
ठाकुर का छोटा बेटा - हाँ हाँ तेरे बाप ने तो बहुत शेर मारे न। चुप बे।
दीपक - चाचा, तुम दादा जी को लेने स्टेशन जा रहे हो न? तो मैं भी तुम्हारे साथ आऊँ?
ठाकुर का छोटा बेटा - भाभी बैठी है, जा कर पूछ ले।
दीपक - तुम पूछो न।
ठाकुर का छोटा बेटा - बेटा। भाभी से कह दे कि मैं चाचा के साथ जा रहा हूँ। चल, चल।

दीपक टीले से नीचे दौड़ कर अपनी माँ के पास आता है जो एक झूले पर बैठकर सब्ज़ी काट रही है।

दीपक - माँ। माँ।
रुक्मणी - छोड़, सब्ज़ी काटने दे।
दीपक - माँ, मैं चाचा के साथ स्टेशन जाऊँ?
रुक्मणी - नहीं, स्टेशन नहीं।

रामलाल बाज़ार से आ कर कुछ सामान रुक्मणी के सामने रखता है।

रामलाल - अरे बहू। बढ़ई को कह दिया, आ कर फाटक बना जाएगा। और यह लो चिरौंजी, यह साबूत दाना, और यह रंग। (राधा को पुकारकर) अरे छोटी बहू!

राधा - अभी आती हूँ। (रुक्मणी के पास आकर चाबी देती है।) चाबी। मैं ज़रा मन्दिर जा रही हूँ। अगर कोई काम हो तो...

रुक्मणी - तू जा। मैं हूँ न।

राधा - (रामलाल से कहती है।) चलिये।

रामलाल - लाओ। (रामलाल उस से मंदिर का सामान लेता है।)

दीपक - माँ, मैं स्टेशन जाऊँ?

रुक्मणी - बोला न नहीं।

ठाकुर का बड़ा बेटा - अरे जाना चाहता है तो जाने दो।

रुक्मणी - नहीं नहीं। वहाँ रेलगाड़ी आती-जाती हैं। मुझे तो डर लगता है।

ठाकुर का बड़ा बेटा - सब रेलगाड़ियों की दुश्मनी है तुम्हारे सपूत से। देखते ही पटरी छोड़ कर पीछे लग जाएँगी। तुम तो बस... (जो सब्ज़ी रुक्मणी काट रही है उस की ओर देखकर) अच्छा... बाबू जी की पसंद की सब्ज़ी बन रही है? अरे जाने दो उसे।

रुक्मणी - बिगाड़ो, हमें क्या है? (दीपक से) ऐसे ही भूत बन कर जाओगे। जाओ, नहा लो। और फूफू (फूफी) से कहो... (पुकार कर) निर्मला!

निर्मला - जी भाभी।

रुक्मणी - ज़रा दीपक के कपड़े निकाल दे निम्मो।

निर्मला - जी अभी निकाल देती हूँ।

रुक्मणी - (लड़के से) जा। (पति से) अब कुछ नहीं तो कच्ची सब्ज़ी चबाने लगे।

ठाकुर का बड़ा बेटा - हम्म, जिसे देखो आज काम में लगा है बाबू जी को दिखाने के लिये।

रुक्मणी - हाँ रोज़ तो सारा काम पुराने बरगद की चुड़ैल कर के जाती है।

ठाकुर का बड़ा बेटा - अरे यह पहिया अभी तक यहीं पड़ा है। यह रामलाल भी बुढ़ापे में बिल्कुल सिली हो गये हैं। उनसे कहा था कि बैठक और बाबू जी का कमरा साफ़ करा दो लेकिन अभी तक उन का पता ही नहीं।

रुक्मणी - राधा के साथ मन्दिर गये हैं। आते होंगे। हो जाएगा।

ठाकुर का बड़ा बेटा - (अपने भाई को पुकारते हुए, जो टीले पर खड़ा हो कर बंदूक़ से चिड़िया मार रहा है।) अरे, निन्नी।

ठाकुर का छोटा बेटा - हाँ भैया।

ठाकुर का बड़ा बेटा - नहा के तैयार हो जाओ। स्टेशन जाना है कि नहीं।

ठाकुर का छोटा बेटा - अभी आया।

ठाकुर का बड़ा बेटा - रुक्मणी, समझ में नहीं आता, इस चिड़ीमार को राधा जैसी सुशील लड़की कैसे मिल गयी।

रुक्मणी - बाबू जी से कह कर मैंने बात लगवायी थी। मगर मेरा एहसान थोड़े ही कोई मानता है। लाखों में एक देवरानी लायी हूँ, नहीं तो आजकल की बहुएँ, डोली से उतरीं और आँगन में दीवार खड़ी कर दी। अब देखना अपनी निम्मो के लिये कैसा वर ढूँढती हूँ।

(गोली की आवाज़ आती है। और ऊपर टीले पर ठाकुर का छोटा बेटा एक चट्टान से गिर जाता है। ज़ाहिर है कि उसी को गोली लगी। उसे गिरते हुए देखकर ठाकुर का बड़ा बेटा चिल्लाकर उस की ओर दौड़ने लगता है।)

ठाकुर का बड़ा बेटा - निन्नी!!!!!!!!!!

(एक और गोली की आवाज़ आती है और ठाकुर का बड़ा बेटा भी गिर जाता है। गोली उस की पीठ में लगी। वह भी ज़मीन पर गिर जाता है। यह देखकर रुक्मणी दौड़ने लगती है।)

रुक्मणी - नहीं!!!!!!!!!!!!

एक के बाद एक सब लोगों को मारा जाता है। फिर गब्बर सिंह घोड़े पर सवार हो कर टीले से नीचे आता है। वह पूरा दृश्य देखता है। सिर्फ़ झूले की आवाज़ सुनाई दे रही है जो हवा में झूल रहा है। उसी समय दीपक कपड़े बदल कर दौड़ते हुए बाहर आता है और देखता है कि परिवार के सब लोग ज़मीन पर पड़े हुए हैं। और सामने ही गब्बर है। गब्बर राइफ़ल उठाकर उसको निशाना बनाता है। एक आवाज़ सुनाई देती है जो कि गाड़ी की सीटी की आवाज़ सी लगती है और दृश्य बदल जाता है।

शब्दावली

हवेली = mansion (f)
बहू = daughter-in-law (f)
चाचा = paternal uncle (m)
टीला = mound (m)
चिड़िया = bird (f)
लगना = to attach (vi)
शेर = lion (m)
मारना = to kill (vi)
चुप = silent (adj)
बे = hey (voc.)
भाभी = sister-in-law (f)
झूला = swing (m)
सब्ज़ी = vegetable (f)
काटना = to cut (vt)
छोड़ना = to leave (vt)
फाटक = gate (m)
बनाना = to make (vt)
चिरौंजी = a type of nut (f)
साबूत = whole (adj)
दाना = grain (m)
रंग = colour, dye (m)
पुकारना = to call (vt)
डर लगना = to be afraid (vi)
सपूत = good son (m)
पटरी = track (f)
पसंद = favorite, choice, liking (f)
बिगाड़ना = to spoil (vt)
हमें क्या है? = What's it to me?
भूत = ghost (m)
नहाना = to bathe (vi, vt)
फूफ़ी = aunty (f)
कच्चा = raw (adj)
चबाना = to chew (vt)
काम में लगना = to be busy in work (vi)
पहिया = wheel (m)
पड़ना = to lie, fall (vi)
बुढ़ापा = old age (m)
सिज़ी = senile (?)
साफ़ करना = to clean (vt)
x का पता नहीं = don't know where x is
तैयार होना = to become ready (vi)
चिड़ीमार = bird-catcher (m)
सुशील = courteous, modest (adj)
बात लगवाना = to have a matter discussed (vt)
एहसान = obligation (m)
थोड़ी (थोड़े ही) = as if (negates the statement)
एहसान मानना = to feel obliged (vt)
लाख = one hundred thousand (adj)
देवरानी = husband's younger brother's wife (f)
डोली = palaquin, sedan (f)
उतरना = to descend (vi)
आँगन = coutyard (m)
दीवार = wall (f)
खड़ा करना = to erect (vt)
वर = bridegroom (m)
ढूँढना = to search (vt)
आवाज़ = noise (f)
चट्टान = rock (f)
गिरना = to fall (vi)
ज़ाहिर = clear (adj)
गोली लगना = to be hit by a bullet (vi)
दौड़ना = to run (vi)

पीठ = back (f)
घोड़ा = horse (m)
सवार होना = to ride (vi)
नीचे = below (adv)
सिर्फ़ = only (adj)
सुनाई देना = to be audible (vi)
हवा = air (f)
झूलना = to swing (vi)
बदलना = to change (vt, vi)
निशाना बनाना = to aim at (vt)
जान = life-force (f)
चारों तरफ़ = all around (adv)
ताज्जुब होना = to be surprised (vi)
आकाश = sky (m)
बारिश = rain (f)
नज़दीक = close (adv)
भीड़ = crowd (f)
शव = corpse (m)
चादर = sheet (f)
ढकना = to cover (vt)
सफ़ेद = white (adj)
साड़ी = sari (f)
झोंका = gust (m)
उड़ना = to fly (vi)
मृत = dead (adj)
परिजन = family (m)
चेहरा = face (m)
तिलमिलाना = to be in the grip of impotent anger (vi)
रोना = to cry (vi)